तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि

सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, बुधवार, 9 जुलाई 2025

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

2 गुमनामी में छठवीं शताब्दी की बौद्ध मूर्तियां, जोगीमठ अब भी पहचान का मोहताज

खबर संक्षेप

विशेष विमान से पहुंचे केन्द्रीय मंत्री शिवराज

अम्बिकापुर। भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन देश के केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावडे विशेष विमान से मां महामाया एयरपोर्ट पहुंचे जहां डिप्टी सीएम व गृहमंत्री विजय शर्मा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद कृषि मंत्री श्री चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री श्री तावडे सड़क मार्ग से मैनपाट पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त उन्होने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके साथ ही प्रशिक्षण वर्ग स्थल पर लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

चलती बाइक से गिरी महिला की उपचार के दौरान मौत

अम्बिकापुर। जीजा के साथ बाइक से रथयात्रा देखने जा रही महिला चलती बाइक से गिर गई। दुर्घटना में गंभीर हुई महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार सीतापुर थाना अंतर्गत ग्राम कतकालो निवासी बिहानी पति तुलसी गत दिन जीजा के साथ रथयात्रा देखने बाइक से जा रही थी। जैसे ही बाइक सवार ग्राम पीडिया के समीप पहुंचे तभी महिला चलती बाइक से सड़क पर गिर गई जिससे गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

होटल संचालक व गार्ड के साथ की मारपीट

अम्बिकापुर। शहर में एक बार फिर गुंडागर्दी बढ़ गई है। दोपहर शहर के बीच युवकों ने न सिर्फ होटल के सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट की बल्कि बीच बचाव कर रहे होटल संचालक की जमकर पिटाई कर दी। इधर पुलिस के घटना स्थल पहुंचने से पहले ही उत्पात मचा रहे युवक फरार हो गए। बताया जा रहा है कि आज दोपहर दो युवक शहर के गांधी चौक समीप एक होटल के सामने गलत तरीके से वाहन खड़ा कर रहे जिसे देख होटल के सुरक्षा गार्ड ने वाहन गलत तरीके से खड़ा करने से मना किया तो दोनों युवको ने गार्ड के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। घटना को देख होटल संचालक बीच बचाव करने पहुंचा तो युवकों ने मोबाइल से फोन कर अपने अन्य साथियों को बुला लिया और गार्ड सहित होटल संचालक के साथ मारपीट करने के साथ उत्पात मचाने लगे। इधर घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो उत्पात मचा रहे युवक मौके से फरार हो गए। होटल संचालक ने घटना की शिकायत पुलिस से की है।

बाइक सहित गिरने से गंभीर महिला की गई जान

अम्बिकापुर। शादी में शामिल होने के बाद घर लौट रहे बाइक सवार अनियंत्रित होकर बाइक सहित सड़क किनारे गिर गए। दुर्घटना में गंभीर हुई महिला की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार उदयपुर थाना अंतर्गत ग्राम कुमडेवा निवासी सुमित्रा पति जगत सिंह (34 वर्ष) गत दिन पति व बेटी अनिमा के साथ बाइक से भतीजे के शादी में शामिल होने ग्राम जगन्नाथपुर गए थे। दूसरे दिन तीनों वापस घर लौटने लगे और जैसे ही बाइक सवार मेन रोड अमली आमा के समीप पहुंचे तभी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गए। दुर्घटना में सुमित्रा गंभीर रूप से जबकि पति व बेटी मामूली रूप से घायल हो गए। महिला को उदयपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने में बैंकर्स की भूमिका अहम

बैकुण्ठपुर। जिला पंचायत कोरिया के मंथन कक्ष में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तत्वावधान में एक दिवसीय बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

केन्द्रीय मंत्री का स्वागत करते मुख्यमंत्री विष्णु देव साय।

एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण करते केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान, विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष एवं विजय शर्मा व अन्य।

भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए

कार्यकर्ताओं को वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का काम करती है भाजपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

अंबिकापुर। भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बंद कमरे में प्रदेश के सभी सांसद और विधायकों को लोक व्यवहार एवं समय प्रबंधन, व्यक्तित्व कौशल विषय पर अपना संबोधन दिया। इसके साथ ही उल्टा पानी में उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा एक अकेली पार्टी है जो अपने कार्यकर्ताओं को वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का काम करती है। पूरे देश में हमारे सांसद और विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग हो रहे है। प्रशिक्षण वर्ग में वैचारिक, एकात्म मानव दर्शन, सिद्धांत और व्यवहार जैसे विषय भी हैं। कार्यकर्ता का आचरण और व्यवहार भी है। अपने क्षेत्र में बेहतर काम वो कैसे करें इसकी ट्रेनिंग भी उनको दी जा रही है। सरकार की योजना और जनता का लाभ उनको कैसे मिले, प्रचार और प्रसार कैसे हो इसपर भी काम हो रहा है। प्रशिक्षण वर्ग में व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों पहलुओं को रखा गया और इसका लाभ हमारे सांसद व विधायकों को मिलेगा, वे और दक्षता के साथ काम कर सकेंगे। केवल सांसद और विधायकों का ही नहीं बल्कि अलग अलग श्रेणी के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हम करते हैं। मंगलवार को प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन के सत्र का उद्घाटन केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, डिप्टी सीएम विजय शर्मा, डिप्टी सीएम अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

खास बात

- विष्णु देव साय ने कहा-छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद बड़ी चुनौतियां थी जिसे हमने अवसर में बदला

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसान उसकी आत्माः चौहान

देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक बात स्पष्ट है कि कृषि भारतीय अर्थ व्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा है। इस लिए हम कोई भी समझौता दुनिया के किसी भी देश से करेंगे तो कृषि और किसानों के हितों को सुरक्षित रखते हुए ही करेंगे। किसान हित हमारे लिए सर्वोपरि है। केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य और क्षेत्र के हिसाब से अलग अलग रोड मैप तैयार कर रहे हैं। चावल की खेती में हम क्या बेहतर कर सकते हैं और विशेषकर उन इलाकों में जहां उत्पादन कम है। फसलवार, राज्यवार और एग्रो क्लाइमेटिक जोन योजना बनाई जा रही है। अलग अलग एग्रो क्लाइमेटिक जोन है उसके लिए भी राज्य के साथ मिलकर कृषि का रोड मैप बना रहे है ताकि किसानों को ज्यादा लाभ हो। हम खाद्यान, फल फूल और सब्जियों का बेहतर उत्पादन कर सकें। उन्होंने कहा कि यहां की खेती उन्नत हो उसके लिए हम छग सरकार के साथ एक बैठक कर चुके हैं। विकसित कृषि संकल्प अभियान में हमारे पास जो फीड बैक वैज्ञानिक लेकर आए हैं उसके आधार पर छग सरकार के साथ बैठकर कृषि का रोडमैप और बनाएंगे। इस इलाके में फसलों खासकर धान का उत्पादन कैसे बढ़े, कौन कौन सी वेरायटी यहां के लिए उपयोगी हो सकती है इसके लिए वैज्ञानिकों की एक टीम को भी काम दिया जाएगा। इस इलाके में मैदानी इलाके के मुकाबले पैदावार कम है तो इसे हम कैसे बढाएं इसके बारे में हमारे वैज्ञानिक आईसीआर के, छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे।

नकली खाद बीज के लिए बना रहे कानून

कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों ने यह बताया कि कई बार उनको अमानक स्तर का खाद बीज मिल जाता है और इससे उनकी कृषि को नुकसान पहुंचता है। वर्तमान में 60 के दशक का कानून बना हुआ है जिसमें अगर अभी कोई नकली और घटिया पेस्टिसाइट, बीज या खाद बेचता है तो उसपर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होती व थोडा बहुत जुर्माना ही होता है। ऐसे अपराध जो किसान को बर्बाद कर दें, हम कड़े दंड का प्रावधान करने वाले है, इसपर विचार विमर्श शुरू कर दिया गया है।

विशेष विमान से पहुंचे केन्द्रीय मंत्री

भाजपा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन देश के केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े विशेष विमान से मां महामाया एयरपोर्ट पहुंचे जहां डिप्टी सीएम व गृहमंत्री विजय शर्मा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद कृषि मंत्री श्री चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री श्री तावड़े सड़क मार्ग से मैनपाट पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत उपरान्त उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके साथ ही प्रशिक्षण वर्ग स्थल पर लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लखपति दीदी बनाने पर दिया जोर

उल्टा पानी पहुंचे केन्द्रीय कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान का समूह की महिलाओं ने आरती उतारकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां भी मुझे समूह की दीदियां मिली। समूह से 12 बहनें जुडी है और अपनी आजीविका चला रही है। कोई बहन गरीब ना हो, किसी की आंखों में आंसू ना आए, किसी को हाथ ना फैलाना पड़े इसके लिए महतारी वंदन तो चल ही रही है लखपति दीदी को भी पूरी ताकत से चलाएंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुझे खुशी कि चुनाव के समय दिए गए वचन के तहत मोर आवास मोर अधिकार के 2018 की सूची के सभी हितग्राहियों को मकान मिल गया है। आने वाले समय में सर्वे करके और भी पात्र हितग्राही मिलेंगे, छत्तीसगढ़ के सभी गरीब भाई बहनों को मकान दिया जाएगा।

पार्टी ने जो काम दिया वही करते चल शिवराज

चौहान का नाम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में भी है। ऐसे में जब उनसे राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मेरी जिम्मेदारी कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री की है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ काम करने का अवसर मिला। मैं इसी जिम्मेदारी से प्रसन्न हूं। अंत में उन्होंने कहा पार्टी ने जो काम दिया वही करते चल शिवराज।

वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी....

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े प्रशिक्षण वर्ग के उपरान्त मैनपाट के पर्यटन स्थलों का आनंद लेने निकले। इस दौरान दोनों ने मैनपाट के उल्टा पानी भ्रमण किया। उन्होंने उल्टा पानी में रुद्राक्ष का पौधा लगाया। इसके बाद उल्टा पानी में कागज की नाव चलाई और वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी गीत गुनगुनाया....। वहीं केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कार में बैठकर विपरीत दिशा में कार के ऊपर चढने का आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि अपना छत्तीसगढ़ अद्भुत है और प्राकृतिक सौन्दर्य से भरा हुआ है। यहां प्रकृति का चमत्कार भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि मैंने को जीवन में पहली बार देखा कि पानी नीचे से ऊपर बह रहा है। अब इसके साइंटिफिक रीजन क्या है यह देखना पड़ेगा लेकिन यह सचमच में चमत्कार और अद्भुत है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा साथ है, पर्यटक आने लगे है, इसको और विकसित व प्रचारित करना चाहिए ताकि लोग चमत्कार अपनी आंखों से देख सकें। पानी नीचे से ऊपर बह रहा है। हमने नाव छोड़कर देखी तो बचपन भी याद आ गया। ये कागज की कश्ती ये बारिश का पानी। यहां का पानी चमत्कारी है, मुझे लगता है छत्तीसगढ़ सरकार से पर्यटन के रूप में विकसित कर रही है। प्रशिक्षण वर्ग करना भी इसी का एक भाग है। छत्तीसगढ़ सरकार हर क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है और पर्यटन के माध्यम से भी रोजगार बढ़ाने के निरंतर प्रयास जारी है।

उफनती नदी में नहाने की जिद ने ले ली युवक की जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

क्षेत्र में हुई बारिश से जहां नदियां उफान पर हैं। ऐसे में उफनती नदी में नहाने की जिद कर रहे युवक पानी के तेज बहाव में बह जाने से उसकी मौत हो गई। हालांकि परिजन ने युवक को समझाइश दी लेकिन युवक नहीं माना और नदी में नहाने की जिद पर अड़ा रहा। आज खोरमा स्थित एनीकट बांध में युवक का शव मिला।

परिजनों ने बताया कि घटना एक दिन पूर्व की है युवक नदी में नहाने का जिद करने लगा। लाख समझाने के बाद भी नहीं माना और नदी में नहाने चला गया। शाम तक नहीं लौटने पर परिजन खोजबीन की बात युवक का कपड़ा नदी किनारे मिला लेकिन युवक का पता नहीं चला। परिजन ने ग्रामीणों की सहायता से नदी के दूर-दूर तक खोजना प्रारंभ किया मगर कहीं भी पता नहीं चला। आज बहकर आए युवक का शव खोरमा एनीकट बांध फंसा मिला। इधर एनीकट में शव देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। शव का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने पर घटना की जानकारी परिजन को लगी। परिजन ने शव की पहचान श्याम मरावी (22 वर्ष) गुड़गांव थाना प्रतापपुर के रूप की। परिजन ने बताया कि एक दिन पूर्व नदी में नहाने यह युवक गया हुआ था इससे पहले भी नदी में नहाने के दौरान युवक कई बार डूबने से बचा था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

- पानी के तेज बहाव में बह गया था युवक, एनीकट बांध में मिला शव

म्यूल अकाउंट के माध्यम से 9 लाख रुपए के लेनदेन की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

म्यूल अकाउंट को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने म्यूल अकाउंट मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार एसपी वैभव बैंकर रमनलाल द्वारा म्यूल अकाउंट के मामले में कार्रवाई को लेकर दिए गए निर्देश के तहत आरोपी विशाल पैकरा के खाते के संबंध में बैंकों से ली गई जानकारी के बाद यह जानकारी सामने आई कि स्टेट बैंक के खाता नम्बर 34388388293 में 2 लाख 11 हजार 868 रुपए, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाता नम्बर 4023420634 में 6 लाख 67 हजार 502 रुपए तथा यूनियन बैंक के खाता नम्बर 791602010001648 में 66 हजार 471 रुपए कुल 9 लाख 45 हजार 787 रुपए की ऑनलाइन ठगी कर अवैध लेन देन किया गया है। ठगी की रकम के लेनदेन की पुष्टि होने के बाद थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने वार्ड क्रमांक 3 बकदरीपारा निवासी 28 वर्षीय विशाल पैकर आ. अजय पैकरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर धोखाधड़ी के माध्यम से ऑनलाइन ठगी कर पैसा कमाने के लिए म्यूल अकाउंट का उपयोग किया।

आरोपी को ठगी की रकम से खाता के हिसाब से पैसे दिए जाते थे। पुलिस ने मामले में आरोपी को बीएनएस की धारा 111, 317 (2), 317(4), 317 (5) के तहत गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई में उनि दिनेश राजवाडे, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र ध्रुव, नवीन साहू, आरक्षक रूपेश गुप्ता सक्रिय रहे।

- आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्रामीणों के घर से 78 हजार का अवैध चिरान जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

वन विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई कर ग्राम रजखेता स्थित एक ग्रामीण के घर से भारी मात्रा में अवैध चिरान बरामद किया है। जब्त चिरान की अनुमानित कीमत 78 हजार रूपए बताया जा रहा है।

वन अधिकारियों को मुखबीर से वन परिक्षेत्र वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम रजखेता निवासी मेघनाथ पिता राम साय द्वारा अपने घर में भारी मात्रा में अवैध चिरान भण्डारित करने संबंधी सूचना मिली थी। सूचना पर वन विभाग की टीम गांव पहुंची एवं मेघनाथ के घर की घेराबंदी कर तलाशी ली तो घर में भारी मात्रा में चौखट सहित अन्य अवैध चिरान मिले। टीम ने आरोपी के घर 49 नग अवैध चिरान जब्त किया है। सभी चिरान चौखट के शक्ल में मिले है। जब्त चिरान लगभग 1 घरमीटर है जिसकी कीमत 78 हजार रूपए आंकी गई है। मामले में विभाग ने आरोपी के विरूद्ध वन संरक्षण अधिनियम की कार्रवाई की है। इस संबंध में उप वनमण्डलाधिकारी अनिल सिंह पैकरा ने बताया कि जब्त चिरान को भाग के डीपो में भेजा जा रहा है।

खबर संक्षेप

मौसम साफ : बारिश के बाद मिली राहत

बैकुण्ठपुर। लगातार हो रही बारिश के बाद मंगलवार को मौसम ने करवट ली है। सुबह से ही आसमान साफ है और खिली हुई धूप से लोगों ने राहत की सांस ली। धूप निकलने से सड़कों पर जमे पानी और कीचड़ सूखने लगे हैं, जिससे आवागमन में भी सहूलियत मिली है। मौसम साफ होने से बाजारों और स्कूलों में फिर से चहल-पहल देखी जा रही है। किसान भी खेतों की ओर निकल पड़े हैं, जबकि दुकानदारों के चेहरे पर भी रौनक लौटी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे तक मौसम शुष्क बना रह सकता है, हालांकि स्थानीय स्तर पर हल्के बादल छा सकते हैं।

इंटेकवेल और सब स्टेशन बाढ़ में क्षतिग्रस्त

बैकुण्ठपुर। एमसीबी जिले के हसदेव नदी में आई बाढ़ से चिरमिरी क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था पर असर पड़ा है। 6 जुलाई को बाढ़ की तेज धार ने लाई स्थित इंटेकवेल और सब स्टेशन को नुकसान पहुंचाया, जिससे जल आपूर्ति बाधित हो गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अनुसार मरम्मत कार्य में लगभग 15 दिन लग सकते हैं। इस अवधि में चिरमिरी क्षेत्र में हर तीसरे दिन जल प्रदाय किया जाएगा।

वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन 11 को

बैकुण्ठपुर। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सत्र 2025-26 के लिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन किया जा रहा है। यह भर्ती भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति के निर्देशानुसार की जा रही है। यह इंटरव्यू 11 जुलाई शुक्रवार को दोपहर 11 से शाम 4 बजे तक कार्यालय पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह विकासखंड खड़गवां में आयोजित होगा। आवेदन पूरी तरह से अस्थायी है, जिसका मानदेय और कार्यकाल निर्धारित सत्र या स्थायी भर्ती तक सीमित रहेगा। चयन पूरी तरह से वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा और किसी प्रकार की अपील मान्य नहीं होगी। पोड़ीडीह एवं जमथान स्थित एकलव्य विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से सीबीएसई पाठ्यक्रम के अंतर्गत अध्यापन के लिए पीजीटी जीव विज्ञान की 1 पद, पीजीटी रसायन विज्ञान की 1 पद, पीजीटी इतिहास की 1 पद, टीजीटी संगीत की 1 पद, टीजीटी पीईटी पुरुष की 1 पद और टीजीटी काउंसलर की 1 पद के वाक-इन-इंटरव्यू के लिए कुल 6 पदों के लिए उम्मीदवार आमंत्रित किए गए हैं। वहीं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जमथान के लिए पीजीटी जीव विज्ञान की 1 पद, पीजीटी रसायन विज्ञान के लिए 1 पद और पीजीटी इतिहास के लिए 1 पद के वाक-इन-इंटरव्यू के लिए कुल 3 पदों के आमंत्रित किया गया है।

जिले में अब तक 295.4 मिमी वर्षा दर्ज

बैकुण्ठपुर। भू-आभलख विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में जिले में औसत 13.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि भरतपुर तहसील में अब तक की सर्वाधिक 364.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 1 जून से 7 जुलाई तक जिले में कुल औसत 295.4 मिमी वर्षा भू-अभिलेख शाखा द्वारा दर्ज की गई है, जो खरीफ फसलों की बोआई के लिए अनुकूल मानी जा रही है। भू-अभिलेख शाखा के अनुसार, तहसीलवार वर्षा की बात करें तो मनेन्द्रगढ़ में 246.1 मिमी, खड़गवां में 295.6 मिमी, चिरमिरी में 335.7 मिमी, केल्हारी में 213.2 मिमी, भरतपुर में 364.2 मिमी और कोटाडोल में 317.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है ।

गुमनामी में छठवीं शताब्दी की बौद्ध मूर्तियां, जोगीमठ अब भी पहचान का मोहताज

प्रशासनिक अनदेखी से उपेक्षित है ऐतिहासिक धरोहर, पर्यटन विकास की दरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के घने जंगलों के बीच स्थित जोगीमठ आज भी छठवीं शताब्दी की दुर्लभ मूर्तियों को अपने आंचल में समेटे गुमनामी के अंधेरे में पड़ा है। यहां विराजित भगवान गौतम बुद्ध सहित अन्य देवी-देवताओं की प्राचीन मूर्तियाँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी विशेष महत्व रखती हैं। इन दुर्लभ प्रतिमाओं की जानकारी आज भी केवल स्थानीय लोगों तक सीमित है।

जिला मुख्यालय सहित अन्य क्षेत्रों के अधिकांश लोग इस धरोहर से अनभिज्ञ हैं, जिसका मुख्य कारण प्रशासनिक उपेक्षा और प्रचार-प्रसार का अभाव है। ऐतिहासिक दृष्टि से समृद्ध यह स्थल यदि पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए, तो न केवल कोरिया जिले की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिल सकती है।

संरक्षण और सुरक्षा की जरूरत

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जोगीमठ की मूर्तियां खुले में पड़ी हैं और उचित संरक्षण के अभाव में इनके क्षतिग्रस्त होने का खतरा बना हुआ है। यदि समय रहते पुरातत्व विभाग या जिला प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, तो यह धरोहर भविष्य में पूरी तरह नष्ट हो सकती है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि जोगीमठ को राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया जाए तथा यहां मूलभूत सुविधाएं—जैसे सड़क, संकेतक बोर्ड, प्रकाश व्यवस्था, गाइड सुविधा—प्रदान कर इसे पर्यटन नक्शे पर स्थान दिलाया जाए।

सुगम पहुंच मार्ग का अभाव पहचान में बाधक

कोरिया जिले के सोनहत जनपद के घने जंगलों के बीच स्थित ऐतिहासिक महत्व का स्थल जोगीमठ स्थल में केवल पुरानी मूर्तियों का संग्रह ही नहीं है, यह स्थल जिले के पर्यटन मानचित्र पर नया अध्याय जोड़ने वाली जगह है, इस स्थल का समुचित विकास करने की जरूरत है। वर्तमान में इस स्थल पर पहुंचने के लिए सुगम सड़क मार्ग तक नहीं है, इसके कारण बरसात के मौसम में लोगों को यहां तक पहुंचना मुश्किल होता है। जानकारी के अनुसार जोगीमठ तक पहुंचने के लिए सोनहत मार्ग के बीच से ग्राम सोनारी के लिए कच्ची सड़क बनी हुई है, लेकिन इसके बीच से जोगीमठ तक के लिए कोई सुगम सड़क मार्ग नहीं है। यदि यहां तक पहुंचने के लिए सुगम सड़क मार्ग की सुविधा हो जाए तो हर मौसम में यहां पर्यटकों का आना-जाना लगा रहेगा, इसके लिए जिला प्रशासन को इस स्थल तक पहुंचने के लिए सड़क सुविधा प्रदान करने की जरूरत है।

स्व. सिंहदेव भी पहुंचे थे यहां

जानकारी के अनुसार प्रदेश के प्रथम वित्तमंत्री रहे स्व. डॉ.रामचंद्र सिंहदेव भी सोनहत जनपद के जंगलों में स्थित धार्मिक ऐतिहासिक महत्व के स्थल जोगीमठ में पहुंच कर मूर्तियों का अवलोकन कर चुके हैं, बावजूद इसके अब तक कोरिया का जोगीमठ अपनी पहचान प्रदेश में नहीं बल्कि जिले में ही ठीक से स्थापित नहीं कर पाया है। जंगल के बीच स्थित जोगीमठ के निकट जंगल में एक चरवाहा ने बताया कि कुमार साहब यहां की मूर्तियों को बैकुंठपुर ले जाने के लिए हुए और मूर्ति को वाहन में रखवाया तो वाहन ही स्टार्ट नहीं हो रहा था, जब ग्रामीणों ने बताया कि मूर्ति यहां से कोई नहीं ले जा सकता और जब मूर्ति को वाहन से उतारा गया तो वाहन स्टार्ट हो गया, ग्रामीणों के जवाब के बाद मूर्ति वहीं रहने दिया गया।

मुख्य मार्ग पर लगे सूचना बोर्ड पर लगा जंग

पर्यटन एवं धार्मिक महत्व का स्थल जोगीमठ पहुंचने के लिए बैकुंठपुर से सोनहत मार्ग पर ग्राम घुघरा के आगे जंगल के बीच से रास्ता निकला है,वहां पर मुख्य मार्ग किनारे एक बोर्ड वर्षों पहले लगाया गया है, जिसमें जोगीमठ पर्यटल स्थल जाने का संकेत था, लेकिन लगाया गया बोर्ड वर्षों पुराना है जो जंग खा गया है, उसमें कुछ भी वर्तमान में दिखाई नहीं देता। ऐसे में बैकुंठपुर से सोनहत मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को यह भी पता नहीं है कि यह किस चीज का संकेत बोर्ड है। लोगों को पता ही नहीं चलता कि धार्मिक व ऐतिहासिक धरोहर स्थल तक जाने का यही से रास्ता है। यह उपेक्षा जोगीमठ को पर्यटन व आध्यमिक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ी बाधा है जो जिले की अमूल्य पुरातात्विक धरोहर वाली स्थान को छिपाने जैसा है।

सिर्फ सांस्कृतिक मंच बाउन्ड्रीवाल निर्माण

पुरातात्विक एवं धार्मिक महत्व के पर्यटन स्थल जोगीमठ में विकास के नाम पर दशक पहले सिर्फ बाउंड्रीवाल एवं सांस्कृतिक मंच का ही निर्माण कराया गया था। जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 व 14 में यहां सांस्कृतिक मंच एवं मूर्ति स्थल का बाउंड्री वाल का ही निर्माण कराया गया था, जिसका रंग-रोगन नहीं, किया जाता है, जबकि सांस्कृतिक मंच दो बने हुए है, इनमें मवेशियों के गोबर पडे हैं।

महिलाओं ने थामी खेती पशुपालन की कमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मनेन्द्रगढ़

जिले में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य एवं पशुधन विकास विभाग द्वारा एनआरएलएम बिहान योजना के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को विभागीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम के मार्गदर्शन में ग्राम स्तर पर महिला कृषि सखी और पशु सखी की महत्वपूर्ण भूमिका सामने आ रही है।

कृषि सखियों के माध्यम से गांव-गांव में किसान पाठशालाएं संचालित की जा रही हैं, जहां जैविक खेती को प्रोत्साहित करते हुए निम्बास्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र और जीवामृत जैसी जैविक दवाइयों के निर्माण की विधि स्थानीय संसाधनों से सिखाई जा रही है। कीटनाशक जहरीली दवाओं और जैविक उपायों में अंतर समझाते हुए महिला किसान घरों में स्वयं जैविक दवाइयों का निर्माण करने लगी हैं। बीजोपचार, थरहा तैयार करना और लाइन विधि से रोपाई जैसे तकनीकी उपायों से किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन की राह दिखाई जा रही है। वर्षा ऋतु में सब्जी उत्पादन को प्रोत्साहन देते हुए मचान विधि को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है, जिसमें भरतपुर विकासखंड की महिलाएं स्थानीय संसाधनों से खड़ा मचान और छतनुमा मचान तैयार कर रही हैं। मचान विधि से सब्जी उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ छिड़काव और तुड़ाई की प्रक्रिया भी आसान हो रही है। गांव में स्थानीय महिला कृषि सखियों को प्रशिक्षण देकर इन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई है और विभाग द्वारा इनकी नियमित निगरानी की जा रही है। इसी तरह पशु सखियों के द्वारा पशुधन संरक्षण की दिशा में भी प्रभावशाली कार्य किए जा रहे हैं।

शहर में एक हजार रुपए किलो बिक रहा पतेरी खुखड़ी

बैकुण्ठपुर। बरसात के मौसम में जंगली मशरूम जिसे स्थानीय बोली में खुखड़ी के नाम से जाना जाता है। बरसात शुरू होने के कुछ दिन बाद पुटू खुखड़ी की आवक बाजार में हुई, इसके बाद अब लंबी डंडी वाली खुखड़ी जिसे स्थानीय लोगों के द्वारा पतेरी खुखड़ी के नाम से जानते हैं। मंगलवार को शहर के बाजार में बिकने के लिए आया तो शुरूआत में इसकी कीमत एक हजार रूपए किलो के दर से विक्रय की जाती रही। यह खुखड़ी भारी बरसात के बाद आना शुरू होता है। पतेरी खुखड़ी का स्वाद लेने के लिए लोग कीमत नहीं देख रहे हैं, वहीं यह खुखड़ी केवल बरसात के सीजन में सीमित दिनों के लिए ही बाजार में उपलब्ध होती है।

संगठन और परिषद के बीच हो बेहतर तालमेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ पटना

भारतीय जनता पार्टी मंडल पटना द्वारा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों की एक विशेष समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य संगठन और परिषद् के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

- भाजपा की जनप्रतिनिधि-संगठन समन्वय बैठक

बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अनिल साहू, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता एवं कपिल जायसवाल उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव ने की। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता की छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन से की गई। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत-सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि श्री तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को मिलकर जनता की समस्याओं का समाधान करना चाहिए और संगठन को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। जिला महामंत्री पंकज गुप्ता और कपिल जायसवाल ने संगठनात्मक गतिविधियों और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। पूर्व जिला अध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सामंजस्यपूर्ण कार्य के लिए प्रेरित किया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सिंह ने कहा कि इस तरह की बैठकें नियमित रूप से माह में एक बार आयोजित की जानी चाहिए, जिससे समन्वय बना रहे और कार्यों में पारदर्शिता व प्रभावशीलता आए। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश सोनी, मंडल महामंत्री सच्चिदानंद द्विवेदी, मीरा सोनी, पार्षद अहिबरन सिंह, राकेश गुप्ता, रमेश पोया, गणेश यादव, सुनील सिंह, राजेश सोनी, ज्योति देवांगन, रेखा वर्मा, वर्षा साहू, ममता कुशवाहा, चंद्रकली राजवाड़े, रितेश सिंह, भंवरलाल कुर्रे, संतलाल साहू, सुधीर वर्मा, संतोष सिंह, राजकुमारी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नकली खाद और मजदूरी भुगतान मामले में हो कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एलएस उदय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर संजय सिंह कमरो और प्रदेश महामंत्री निलेश कुमार पांडे ने 8 जुलाई को पोड़ी बचरा क्षेत्र के सैकड़ों किसानों की ओर से उठी खाद की गुणवत्ता और महिला मजदूरों की लंबित मजदूरी की गंभीर समस्या को लेकर जिला प्रशासन और वन विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की।

- गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने एक सप्ताह में कार्रवाई की मांग की

पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि सहकारी समिति बैमा एवं चिरमी के माध्यम से किसानों को वितरित किए गए डीएपी उर्वरक में गुणवत्ता संबंधी गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। किसानों का आरोप है कि खाद 10 दिनों तक पानी में नहीं घुला, जिससे इसे नकली खाद बताया जा रहा है। पार्टी ने मामले की तत्काल जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने जानकारी दी कि फूलपुर व शिवपुर वन परिक्षेत्र के तहत कार्यरत महिला और पुरूष मजदूरों को बीते छह माह से लाखों रूपए की मजदूरी नहीं मिली है, जिससे उनका जीवन-यापन प्रभावित हो रहा है। इस विषय में पार्टी पदाधिकारी वन मंडलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और डीएफओ कोरिया से मुलाकात कर मजदूरी भुगतान की तत्काल मांग रखी। डीएफओ ने उन्हें एक सप्ताह के भीतर भुगतान कराने का आश्वासन दिया है।

आंदोलन की चेतावनी

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर नकली खाद की जांच और मजदूरों को भुगतान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। साथ ही उन्होंने प्रशासन से किसानों और मजदूरों के हित में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

एसपी केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों से हुए रू-ब-रू

कार्यक्रम में उपस्थित एसपी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कोरिया जिले में संचालित जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे केन्द्रीय विद्यालय बैकुंठपुर पहुंचे, जहां उन्होंने छात्रों को जीवन निर्माण, सुरक्षा और जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संबोधित किया।

पुलिस अधीक्षक श्री कुर्रे ने कहा कि छात्र जीवन एक ऐसा मोड़ होता है, जहां से भविष्य की दिशा तय होती है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने लक्ष्य को स्पष्ट करें, समय का सदुपयोग करें और अनुशासन में रहकर मेहनत के बल पर सफलता की ओर बढ़ें। उन्होंने विशेष रूप से समय प्रबंधन और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। एसपी श्री कुर्रे ने छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशा नाश की जड़ है। उन्होंने कहा कि यदि घर-परिवार या आसपास के किसी व्यक्ति को इसकी लत है, तो उन्हें भी सही राह पर लाने के लिए प्रेरित करें और किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर उन्होंने छात्रों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग सीमित करें, अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें, ओटीपी या पासवर्ड किसी से साझा न करें। फर्जी लिंक, लॉटरी या ईनाम जैसी बातों में न उलझें। कार्यक्रम में यातायात जागरूकता पर भी विस्तृत चर्चा हुई। एसपी श्री कुर्रे ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना स्वयं की और दूसरों की जान की रक्षा करना है। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना खतरनाक है और यह कानूनन अपराध भी है। इस दौरान नायक डॉ.महेश मिश्रा ने छात्रों को यातायात संकेतों, ट्रैफिक सिग्नल, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, तीन सवारी प्रतिबंध, तेज गति, मादक पदार्थ सेवन और मोबाइल फोन के उपयोग जैसे विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं और जुर्माना राशि की भी जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य अवनी प्रकाश श्रीवास्तव, यातायात प्रभारी उप निरीक्षक बीरबल राजवाड़े, सहायक उप निरीक्षक जग नारायण साहू, आरक्षक गुलशन महानदियां, शिक्षक रविन्द्र यादव, दिव्या कुमारी, स्कूल स्टाफ सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली।

शहर में नहीं रुक रहा चोरी का सिलसिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

शहर में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे एनएच के बगल के प्रतिष्ठानों को अपना निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला स्कूलपारा स्थित आशीर्वाद सुपर मार्केट का है, जहां अज्ञात चोरों ने बीती रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने शटर तोड़कर दुकान के भीतर घुसकर नकदी समेत कई कीमती सामान पर हाथ साफ किया। घटना की जानकारी सुबह दुकान खोलने पर लगी, जिसके बाद पीड़ित व्यापारी श्री दुबे ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। विदित हो कि शहर में यह कोई पहली घटना नहीं है, बीते कुछ सप्ताह में क्षेत्र में चोरी की कई वारदातें सामने आ चुकी हैं। बावजूद इसके पुलिस की गश्त और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस पर उठ रहे सवाल

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में रोष है। लोगों का कहना है कि रात्रि गश्त केवल कागजों तक सीमित है, तभी चोर इतनी सहजता से वारदात कर निकल जाते हैं। घटना के बाद स्थानीय व्यापारी संघ ने पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए जल्द से जल्द चोरों को गिरफ्तार कर व्यापारियों को सुरक्षा देने की अपील की है।

खबर संक्षेप

अनोज बने जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के विधायक प्रतिनिधि

रामानुजगंज। युवा नेता अनोज यादव को जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के विधायक प्रतिनिधि की बड़ी जवाबदारी मिली। अनोज यादव को 94 ग्राम

पंचायत के जनपद रामचंद्रपुर का जनपद विधायक प्रतिनिधि बनाया जाना युवा नेता को आगे करने की कवायद मानी जा रही है। ग्रामीण परिदृश्य के युवा को बड़ी जवाबदारी मिलने से क्षेत्र के युवा नेताओं में हर्ष व्याप्त है सभी ने राम विचार नेताम का आभार माना। विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम परहियाडीह अनोज यादव ने 2010 से भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में करते हुए बूथ स्तर में विभिन्न जिम्मेवारी को संभाल एवं उत्कृष्ट कार्य किया। 6 वर्ष के बाद भाजपा युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री के रूप में दायित्व मिला। संगठन के लिए समर्पित भाव से कार्य करने पर युवा मोर्चा का मंडल अध्यक्ष बनाया गया वहीं गांव के उप सरपंच भी बने। वर्तमान में भाजपा मंडल महावीरगंज के महामंत्री का दायित्व संभाल रहे।

भाजपा मंडल एवं मतदान केन्द्रों में मनाई गई डा.मुखर्जी की जयंती

प्रतापपुर। जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के आदर्श पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 124वीं जयंती 6 जुलाई.को भारतीय जनता पार्टी मंडल कार्यालय एवं मतदान केंद्रों में मनाया गया। भाजपा मंडल कार्यालय प्रतापपुर में जन्म जयंती के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानती सिंह के मुख्य आतिथ्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल के अध्यक्षता एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष अजीत शरण सिंह अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष थउलाराम के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र के समक्ष धूप दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा किए गए कार्यों को याद किया। इस दौरान अवधेश पाण्डेय, आनंद शुक्ला, अजय जायसवाल, प्रशांत सिंह, श्रीमती राधा सिंह, योगेंद्र सिंह, श्रीमती नीलम श्रीवास्तव, लालमेन पैकरा, विक्रम नामदेव, विजेंद्र कश्यप, विकास तिवारी, हेमंत खैरवार, आशुतोष जायसवाल, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, बुधराम देवांगन, अजय सिंह, आर्यन दुबे, संतोष, अक्षय, रवि एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपाइयों ने डॉ. मुखर्जी की जयंती पर किया नमन

सूरजपुर। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आज जिला भाजपा कार्यालय अटलकुंज में पूर्व पापुनि अध्यक्ष एवं पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के मुख्य आतिथ्य, जिला महामंत्री राजेश महलवाला, जिला कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू के विशिष्ट आतिथ्य मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जीवन पर अतिथियों द्वारा प्रकाश डाला गया तथा उनके द्वारा देशहित मे किए गए त्याग को याद किया। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम पर जिला भाजपा कार्यालय मे पौधा रोपण किया। कार्यक्रम का संचालन शहर महामंत्री राजू देवांगन द्वारा किया गया। इस दौरान अरविन्द मिश्रा, विजय राजवाड़े सहित शहर एवं ग्रामीण मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहें।

कीचड़ व सड़क के गड्ढों ने लोगों की बढ़ाई परेशानी

15 साल बाद भी नहीं हुई रजपुरीकला से कटकोना सड़क की मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रजपुरीकला

पिछले एक सप्ताह से लगातार हुई बारिश के बाद ग्राम पंचायत रजपुरी कला की सड़क की हालत का फी दयनीय हो ग ई । आ ल म यह है कि सड़क के गड्ढे व कीचड़ से क्षेत्र के लोगों न सिर्फ परेशानी है बल्कि सड़क पर जमा पानी से आवागमन करना मुश्किल हो गया। हैरानी की बात तो यह है कि क्षेत्र के लोग पिछले 15 साल से सड़क मरम्मत कराने की मांग कर रहे है लेकिन आज तक लोगों को जर्जर सड़क से मुक्ति नहीं मिली है। आलम यह है कि क्षेत्र के ग्रामीण जर्जर सड़क व कीचड़ के बीच आवागमन करने को मजबूर है।

खास बात

- शिकायत के बाद भी जर्जर सड़क से क्षेत्र के लोगों को नहीं मिली मुक्ति

जनपद पंचायत लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रजपुरी कला सड़क की हालत बारिश के बाद से और भी दयनीय हो गई। सड़क कटकोना से पुहपुटरा और रजपुरी कला से एनएच 130 पर जाकर मिलती है। लगभग 12 किलोमीटर सड़क को एसईसीएल द्वारा लगभग 15 वर्ष पूर्व बनाया गया था जो मरम्मत के अभाव में जर्जर हो चुकी है। सड़क निर्माण के कई साल बाद भी सड़क की मरम्मत नहीं की गई है। ऐसे में क्षेत्र के लोगों को हर मौसम में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र में तालाब में तब्दील हो जाती है। जगह-जगह गड्ढों में पानी भर जाने से लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। गर्मी के मौसम में भी धूल-मिट्टी उड़ती है तो वहीं बारिश में सड़क कीचड़ से सराबोर हो जाती है। ऐसे में स्कूल पढ़ने जाने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानी होती ही है साथ ही क्षेत्र के लोगों को आवागमन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से सड़क कीचड़ में तब्दील हो गई है। ऐसे में गांव के बाहर जाने तथा गांव आने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सड़क की मरम्मत के लिए पिछले 15 साल से मांग की जा रही है लेकिन आज तक मांग पूरी नहीं हो सकी। गर्मी व ठंड के मौसम में सूखा होने से आने जाने में ज्यादा दिक्कत नहीं होती परंतु जैसे ही बारिश शुरू होती है वैसे ही आवागमन को लेकर लोगों की समस्याएं बढ़ जाती है और मार्ग में कीचड़ होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जर्जर सड़क के गड्ढे में भरा पानी।

तीन गांव को जोड़ती है सड़क

यह सड़क न केवल तीन गांवों को जोड़ती है, बल्कि इस मार्ग से ही संभाग के नेताओं, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों का आने जाने का मुख्य रूट है। ग्राम पंचायत सिरकोतगा व पूहपुटरा को आदर्श ग्राम घोषित किया गया था। इसके अलावा साप्ताहिक बाजार, ग्रामीण बैंक, हायर सेकेंडरी स्कूल और उप स्वास्थ्य केन्द्र होने के कारण बडी संख्या में लोग आवागमन करते है। ऐसे में सड़क की हालत जर्जर होने से लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जिम्मेदारी से झाड़ रहे पल्ला

ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क मरम्मत की जिम्मा एसईसीएल का है, लेकिन एसईसीएल प्रबंधन बार-बार कहने के बावजूद भी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। जब क्षेत्र के ग्रामीण ने प्रबंधन से संपर्क किया, तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि सड़क मरम्मत का मुद्दा सरकारी विभाग का है। जबकि प्रशासन इसे एसईसीएल की जिम्मेदारी बताकर खुद को अलग कर लेता है। ऐसे में क्षेत्र के लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि सड़क की मरम्मत कौन कराएगा।

सड़क नहीं बनी तो करेंगे आंदोलन

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण हुए 15 साल से अधिक हो गए है। न तो सड़क की मरम्मत हो सकी और न ही नए सिरे से सड़क निर्माण किया गया। ऐसे में सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो जाने के कारण बारिश का पानी एकत्र हो जाते है जिससे आने जाने में दिक्कत होती है। पूर्व में भी कई बार सड़क की समस्या को लेकर प्रशासन को अवगत करा चुके है परंतु आज तक सड़क की मरम्मत नहीं हो सकी। जल्द ही सड़क मरम्मत कार्य नहीं कराया गया तो आने वाले दिनों में गांव के लोग आंदोलन करेंगे।

हल्की सी बारिश होते ही सड़क

एसईसीएल कराएगा मरम्मत

कोल परिवहन के लिए साल 2008 से लेकर 2010 के बीच सड़क निर्माण एसईसीएल द्वारा कराया गया था। सड़क की मरम्मत एसईसीएल द्वारा कराया जाएगा।

-वेद प्रकाश पाण्डेय
सीईओ लखनपुर

सड़क व चौपाटी की मरम्मत को लेकर सीएमओ को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

नगर के राधा कृष्ण मंदिर के समीप की गली, जो वर्ष 1990-91 में बनाई गई थी, अब बदहाल दौर से गुजर रही है, यहाँ लगभग तीन दशक से अधिक समय बीतने के बावजूद इस सड़क की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी हुई सीमेंट की परतें और जलनिकासी की कमी के कारण यह गली आज लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बन चुकी है।

बरसात के दिनों में यहां से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। इस मुद्दे को लेकर नगर के जागरूक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मोर्चा संभालते हुए शिवनंदनपुर नगर पंचायत प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है,मामले में एनएसयुआई पदाधिकारी हर्ष दनौदिया ने कहा कि यह गली नगर के मध्य क्षेत्र में स्थित है और मंदिर होने के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही भी बनी रहती है। बावजूद इसके वर्षों से इस मार्ग की मरम्मत की ओर न कोई ठोस पहल हुई और न ही जनप्रतिनिधियों ने इसे प्राथमिकता दी।उन्होंने बताया कि सिर्फ सड़क ही नहीं, बल्कि नगर पंचायत क्षेत्र में संचालित होने वाली स्थानीय चौपाटी की भी स्थिति चिंताजनक है।असंगठित और अव्यवस्थित रूप में संचालित यह चौपाटी न केवल सौंदर्यहीन दिखती है, बल्कि यहां व्यापार कर रहे छोटे दुकानदारों को भी कई प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। चौपाटी को एक सुनियोजित और व्यवस्थित व्यवसाय स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की गई है, जिसमें उचित लाइटिंग सिस्टम, पेयजल की व्यवस्था, क्रांकिट फर्श का निर्माण तथा व्यवस्थित शेड और बैठने की व्यवस्था शामिल है। इस मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने नपं शिवनंदनपुर सीएमओ सुनील सिन्हा को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन सौंपने वालों में कुंदन विश्वकर्मा, क्षितिज सिंह चंदेल, आकाश सिंह, कुणाल यादव और आदित्य विश्वकर्मा व अन्य शामिल रहे।

डेढ़ वर्षों से बंद पिलखा क्षीर से सबंधित किसान और कर्मचारी जूझ रहे आर्थिक संकट से

बिश्रामपुर। एनएच 43 किनारे ग्राम सिलफिली अंतर्गत संचालित पिलखा क्षीर बीते लगभग डेढ़ वर्षों से पूरी तरह से बंद पड़ी हुई है।एक समय क्षेत्र के किसानों और युवाओं के लिए रोजगार व आर्थिक आत्मनिर्भरता का जरिया बने इस संयंत्र के आज बंद होने से आमजन को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस परिस्थिति ने न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को हिला दिया है बल्कि किसानों, कर्मचारियों और आपूर्तिकर्ताओं को लाखों रुपए के बकाया भुगतान की मार झेलनी पड़ रही है।गौरतलब है कि पिलखा क्षीर के ज्वलंत मुद्दे को लेकर आज युवा कांग्रेस के भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में पिलखा क्षीर संयंत्र की स्थिति का उल्लेख करते हुए संयंत्र से जुड़े लगभग 82 लाख रुपए के बकाया भुगतान शीघ्र कराए जाने की मांग की गई है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पिलखा क्षीर संयंत्र बंद होने से दुग्ध विक्रेताओं को 25 लाख रुपए,बिजली सप्लाई कंपनी का करीब 45 लाख रुपए,डीजल आपूर्ति करने वाले पेट्रोल पंपों का करीब 9 लाख रुपए और संयंत्र में कार्यरत कर्मचारियों का लगभग 3 लाख रुपए से अधिक वेतन अब भी लंबित है।किसान कर्ज में डूब रहे हैं, स्थानीय युवाओं का रोजगार छिन गया है, और क्षेत्र में तनाव जैसी स्थिति बन रही है।प्रशासन यदि जल्द कदम नहीं उठाता, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन की उदासीनता ने इस संयंत्र को पुनः शुरू करने की संभावनाओं को लगातार टालते हुए, ग्रामीणों को संकट में धकेल दिया है। यह संयंत्र कभी दुग्ध उत्पादन और आपूर्ति के लिए आदर्श मॉडल माना जाता था, लेकिन अब यह उपेक्षा और सरकारी असंवेदनशीलता का प्रतीक बन गया है। ज्ञापन में मांग किया गया है कि सभी लंबित भुगतान शीघ्र कराए जाएं, संयंत्र को पुनः चालू करने हेतु उच्च स्तरीय समीक्षा व कार्ययोजना बनाई जाए, किसानों और कर्मचारियों को राहत देने के लिए विशेष वित्तीय सहायता या अनुदान पैकेज की व्यवस्था की जानी चाहिए।

- सभी लंबित राशि का शीघ्र भुगतान कराने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

किसानों ने उठाया फसल बीमा योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सलका-अधिना

विकासखंड भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत खोपा में उपसंचालक कृषि संपदा पैंकरा के निर्देशन पर एनएमईओ योजना अंतर्गत 50 एकड़ भूमि हेतु प्रमाणित बीज का वितरण किया गया। संबोधन में जनपद सदस्य योगेंद्र सिंह ने कहा कि किसान हमारे देश का अन्नदाता है जो हमें भोजन प्रदान करता है हमें इनका सम्मान करना चाहिए और उनकी कड़ी मेहनत को महत्व देना चाहिए सभी उपस्थित कृषक समूह को मूंगफली की खेती अच्छे से करने का भी आग्रह उनके द्वारा किया गया।

- 50 एकड़ भूमि के लिए वितरण किया गया बीज

कृषि स्थाई समिति सभापति के प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह ने कहा कि कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है हमारे छत्तीसगढ़ का मुख्य पारंपरिक व्यवसाय है किसानों का जीवन संघर्षों से भरा होता है फिर भी किसान हमें खुशी का स्वाद चखाते हैं उन्होंने कृषकों से वादा किया की फसल लगने के बाद भी फिर उनके

खेतों में आयेंगे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी धर्मजीत भगत ने बताया कि समय समय पर इस प्रकार का वितरण कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में किया जाएगा और मूंगफली फसल की निरंतर निगरानी विभाग के द्वारा किया जाएगा कृषि विस्तार अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि यह मूंगफली का प्रमाणित बीज हैदराबाद से चलकर यहां आया है और इस मूंगफली की अवधि 112 दिन की है मूंगफली का किस्म कादरी लिपाक्षी के 1812 है एवं यह मूंगफली सूखा बाढ़ एवं कई रोग कीट आदि के प्रति प्रतिरोधक क्षमता रखता है एवं इस मूंगफली की पैदावार प्रति हेक्टेयर लगभग 45 क्विंटल है कृषकों का मिट्टी परीक्षण भी करवाया जाना है उसके पश्चात मृदा स्वास्थ्य पत्रक भी प्रदान किया जाना है जिससे कि खेतों में संतुलित उर्वरक का उपयोग कृषक कर सके जिससे खेत व पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे मूंगफली फसल के लिए फसल बीमा हेतु 840 रुपए की राशि प्रति हेक्टर निर्धारित है एवं प्राकृतिक आपदा से किसान के फसल को नुकसान होने पर 42000/ की राशि बीमा कंपनी द्वारा प्रदाय किया जाएगा मंच संचालन का कार्य कृषि विस्तार अधिकारी जितेन्द्र झा द्वारा किया गया। इस दौरान योगेंद्र सिंह, पवन सिंह, राकेश यादव, चैत राम सहित अन्य उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की गई जान

अम्बिकापुर। खेत से पानी निकाल रहा युवक आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आ गया। परिजन युवक को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर अंतर्गत ग्राम पुरकेला निवासी देवलाल नागेश आ. स्व. लक्ष्मण नागेश (26 वर्ष) रविवार को मूसलाधार बारिश होने तथा खेत में पानी भर जाने पर युवक दोपहर 1 बजे खेत से पानी निकालने गया था।

युवक जानकी बाई के खेत के मेढ़ का काटने लगने तभी आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आ गया। गाज की चपेट में आने से युवक का रेन कोट सहित कपड़ा जल गया जिससे वह मौके पर ही अचेत हो गया। घटना की जानकारी लगने पर परिजन द्वारा युवक को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान घायल युवक की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

TOP IN SURGUJA

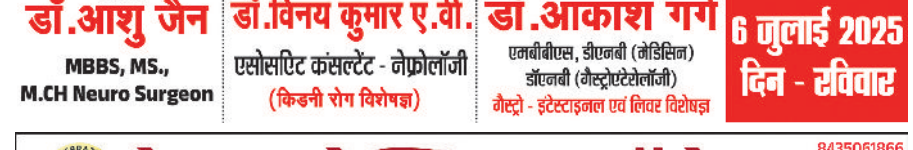

खबर संक्षेप

सेल्स प्रोमोशन एम्प्लाइज यूनियन का धरना-प्रदर्शन आज

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ सेल्स प्रोमोशन एम्प्लाइज यूनियन केन्द्रीय श्रम संगठनों के आह्वान पर सरकार की मजदूर विरोधी, जनविरोधी, किसान विरोध नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई से हड़ताल करने का निर्णय लिया है। संगठन के सदस्य हड़ताल के दौरान धरना-प्रदर्शन के उपरांत शाम 3 बजे रैली निकालेंगे।

सहकारिता दिवस पर सहकारी समितियों के परिसर में पौधरोपण

धौरपुर। विकासखण्ड धौरपुर, सहनपुर एवं डूमरडीह में सोमवार को भारी उत्साह के साथ सहकारिता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं प्रबंधक ने उपस्थित ग्रामीणों को सहकारिता के लाभ के बारे में बताया। संबोधन उपरांत समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने समिति परिसर में पौधरोपण किया तथा रोपित पौधों की सुरक्षा करने का संकल्न लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

तहसीलदार, उप कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ लिपिक का हुआ स्थानांतरण

कुसमी। सामरी तहसीलदार शशिकांत दुबे का स्वास्थ्यगत कारणों से सामरी तहसील से रायपुर कलेक्टर जिला रायपुर में स्थानांतरण हुआ है। इसी प्रकार उप कोषालय अधिकारी कुसमी प्रदीप गुप्ता का जिला रायगढ़ एवं वरिष्ठ लिपिक केआर बारी का संभागीय आयुक्त कार्यालय सरगुजा में प्रशासनिक रूप से स्थानांतरण हुआ है। शासन के आदेशानुसार सभी अधिकारी, कर्मचारी को उनके वर्तमान पदस्थापना स्थल से नवीन पदस्थापना स्थल हेतु भारमुक्त किए जाने के उपरांत अनुभाग प्रशासन द्वारा स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दिया गया। कुसमी एसडीएम करुण डहरिया द्वारा सभी स्थानांतरित अधिकारी,कर्मचारी द्वारा किए कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान तहसीलदार सुनील गुप्ता, नायब तहसीलदार पारस शर्मा, सीएमओ अरविंद विश्वकर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी रामपथ यादव, एबीओ नन्द कुमार गुप्ता, राजस्व निरीक्षक सहित सभी पटवारी व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल जाने के लिए तैयार हुआ छात्र घर से लापता

बिश्रामपुर। स्कूल जाने की तैयारी कर रहा एक बालक रहस्यमय ढंग से गायब हो गया है। मासूम बच्चे के गायब होने से हड़कंप मच गया है। बिश्रामपुर

पुलिस ने बताया कि 15 वर्षीय सत्यदीप कुजूर पिता संदीप कुजूर एसईसीएल आवासीय डिपार्टमेंटल कालोनी क्वार्टर नंबर 456 में अपनी बुआ अल्का कुजूर के पास रह रहा था।सत्यदीप कुजूर जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई में रहकर पढ़ाई करता है, जो वर्तमान में यहां अपने बुआ घर आया हुआ था। सोमवार को उसकी बुआ अल्का कुजूर बच्चे को तैयार कर जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई पहुंचाने के लिए तैयार कर रही थी, कुछ देर पश्चात बालक सत्यदीप कुजूर रहस्यमय ढंग से गायब हो गया है।देर शाम तक उसके वापस घर नहीं लौटने पर परिजन द्वारा मामले की सूचना बिश्रामपुर पुलिस को दी है।सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है।

चिराग बने सीए

अम्बिकापुर। शहर के मेधावी छात्र चिराग केडिया ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वे कपड़ा व्यवसायी अनूप केडिया और लक्ष्मी केडिया के सुपुत्र हैं।

गुरु पूर्णिमा पर पचीरा शिव मंदिर में विशाल भंडारा

सूरजपुर। रेण नदी तट पर स्थित ग्राम पचिरा में प्राचीन

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में इस वर्ष भी गुरू पूर्णिमा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। मन्दिर के महंत बिहारी दास ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने भक्तसे से अधिक से अधिक संख्या भंडारा का प्रसाद प्राप्त करने की बात कही। 10 जुलाई को आयोजित भंडारे में भक्तों का सहयोग होता है। जिसमें सभी बढ़ चढ़ कर सेवा के कार्य भागीदारी बनते है। इस पुनीत कार्य के सहयोग में प्रवेश गोयल, नारायण बसंल, राम कृष्ण ओझा, ओंकार पाण्डेय, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सतीश दुबे, शंभु अग्रवाल, रामाधीन गुप्ता, सौरभ तिवारी, श्याम नारायण दुबे, सुदर्शन राजवाड़े, श्याम जीत राजवाड़े,बसंत राजवाड़े सहित अन्य सक्रिय है। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष केके अग्रवाल द्वारा बाहर से पधारे संत महात्माओं को दान दक्षिणा देकर विदा किया जाता है।

पुलिया के अभाव में वर्षों से परेशान हैं ग्रामीण

खतरे के बीच उफनते नाले को पार कर बच्चों को स्कूल पहुंचाना बनी परिजन की मजबूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर/बिहारपुर

नदी-नालों पर पुल-पुलियों का निर्माण नहीं होने के कारण बच्चों को अपना भविष्य गढ़ने के लिए खतरे के बीच उफनते नदी-नालों को पार कर स्कूल जाना पड़ रहा है। ग्रामीण दशकों से नाले पर पुलिया निर्माण करने की मांग कर रहे हैं लेकिन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा इस दिशा में कोई कारगर पहल नहीं हो सकी है।

खास बात
- अनेकों बार शिकायत करने के बावजूद नहीं हो सका निर्माण

विकासखण्ड ओड़गी के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में कई ऐसे गांव हैं जो पुल-पुलियों के अभाव में बरसात में टापू बन जाते हैं। पुल-पुलियों के अभाव में बच्चों एवं मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि वे विभिन्न माध्यमों से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अनेकों बार स्थिति से अवगत करा चुके हैं लेकिन अभी तक इस बड़ी समस्या के निराकरण के लिए कोई पहल नहीं हो सकी है। दूरस्थ ग्राम पंचायत स्थित प्रायमरी स्कूल के दो नालों से घिरे होने के कारण ग्रामीणों को तो आवागमन में समस्या होती है सबसे बड़ी समस्या छोटे बच्चों को हाती है। प्राथमिक शाला के उत्तर दिशा में बेवदी नाला जबिक दक्षिण दिशा में बाघबुड़वा नाला बहता है जिसके कारण ग्राम पंचायत के पहाड़पारा एवं पुडरीपारा के छोटे बच्चों को पूरे साल नाला को पैदल पार कर स्कूल आना पड़ता है। अन्य मौसम में नालों का जल स्तर कम होने के कारण बच्चों को आवागमन में कोई समस्या नहीं होती लेकिन बरसात के मौसम में उफनते नाले को पार करना चुनौती बन जाती है। खतरे को देखते हुए हर दिन परिजन बच्चों को गोद में उठा नाला पार कर स्कूल पहुंचाते हैं। स्कूल की छुट्टी होने पर भी परिजन बच्चों को लेने स्कूल जाते हैं। कई बार अचानक नाले का जल स्तर बढ़ने पर बच्चों व परिजन को घंटों जल स्तर कम होने का इंतजार करना पड़ता है। खतरे को देखते हुए बारिश के दौरान स्कूल की जल्दी छुट्टी कर दी जाती है ताकि बच्चे अपने परिजन के साथ सुरक्षित घर पहुंच जाएं।

उफनते नाला को पार करते परिजन के साथ स्कूली बच्चे।

जल्द होगी निर्माण की पहल

इस संबंध में ग्रामीणों की कोई मांग एवं शिकायत मेरे संज्ञान में नहीं आई है। ग्राम पंचायत इस दिशा में पहल करे तो मनरेगा के माध्यम से पुलिया निर्माण की पहल तत्काल की जाएगी।
-सागर सिंह, एसडीएम

परोगिया में भी संकट

डांडगांव। विकासखण्ड उदयपुर अंतर्गत कोरबा जिले की सीमा पर बसे ग्राम पंचायत परोगिया एवं छुरीपारा के ग्रामीणों को भी पुल के अभाव में भारी संकट का सामना करना पड़ता है। ग्राम पगोरिया एवं छुरीपारा के बच्चों को बाघहाथ नदी पार कर स्कूल जाना पड़ता है। कई बार नदी का जल स्तर बढ़ने पर बच्चों को घंटों पानी उतरने का इंतजार करना पड़ता है। नदी में बाढ आने के दौरान कई बार बच्चों को किसी दूसर के घर में रूक कर रात गुजारने की स्थिति निर्मित हो जाती है। गांव में मिडिल स्कूल नहीं होने के कारण बच्चों को रोज 6 किमी का पैदल सफर कर ग्राम घाटबर्रा जाना पड़ता है। राशन सहित अन्य जरूरतों के लिए ग्रामीणों को पंचायत मुख्यालय का पैदल सफर करना पड़ता है।

मरेगा में मिली थी स्वीकृति

महुली के ग्रामीणों ने बताया कि दो वर्ष पूर्व प्रशासन द्वारा बाघबुढ़वा नाला पर पुलिया निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। पुलिया निर्माण की स्वीकृति से ग्रामीण खुश थे कि अब उन्हें उफनते नाले को पैदल पार करने से मुक्ति मिल जाएगी। दो साल का लम्बा समय गुजरने के बावजूद अभी पुलिया का निर्माण शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीण पुलिया निर्माण की स्वीकृति जिपं द्वारा निरस्त करने की बात कह रहे हैं।

संयुक्त मोर्चा की राष्ट्र व्यापी एक दिवसीय हड़ताल आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे श्रम सुधार कानूनों के खिलाफ संयुक्त मोर्चा द्वारा आज बुधवार 9 जुलाई को बुलाए गए एक दिवसीय राष्ट्र व्यापी हड़ताल बुलाई गई है।बिश्रामपुर क्षेत्र में हड़ताल को सफल बनाने चार श्रम संगठनों कर्मशः एटक,एचएमएस,इंटक व सीटू द्वारा राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया जा रहा है जबकि क्षेत्र की अधिक सदस्यों वाली बीएमएस ने हड़ताल से अपने संगठन को दूर रखा है।पूर्व में हड़ताल से पहले सभी यूनियनों के द्वारा लगातार बैठक कर श्रमिकों को हड़ताल को सफल बनाने की अपील की जाती थी, साथ ही हड़ताल किस लिए व किन कारणों से किया जाना है, ये भी बताया जाता था लेकिन इस बार हड़ताल में शामिल चार यूनियनों के मुख्य पदाधिकारियों की सक्रियता कम दिख रही है।दूसरी तरफ कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद व एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन ने संयुक्त मोर्चा की हड़ताल से कोल कर्मियों को दूर रहने की समझाइश दी है और कहा है कि बारिश के कारण खदानों में कोयला उत्पादन काफी कम है,इसलिए हड़ताल से कोयला उद्योग सहित राष्ट्र को नुकसान होगा।सीएमडी ने कहा कि कोयला उद्योग को इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट 1947 की धारा 2(एन)के उपखंड 6 के तहत जन उपयोगी सेवा घोषित किया गया है ऐसे में हड़ताल करने वाले कर्मियों पर काम नहीं तो भुगतान नहीं का सिध्दांत नो वर्क नो पे लागू होगा।

- बीएमएस यूनियन ने नहीं दिया बंद को समर्थन

महाप्रबंधक कार्यालय में बनाया गया कंट्रोल रूम

बुधवार को एकदिवसीय हड़ताल को देखते हुए क्षेत्रीय प्रबंधन ने महाप्रबंधक कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया है ,इसके अतिरिक्त यूनिट स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाए गए हैं जहां से हड़ताल की मॉनिटरिंग की जाएगी।यूनिट स्तर पर बने कंट्रोल रूम एरिया कंट्रोल रूम को रिपोर्ट करेंगे, महाप्रबंधक कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम कम्पनी मुख्यालय को हड़ताल का बारीकी से ब्यौरा देंगे।बिश्रामपुर क्षेत्र में कुमदा सहक्षेत्र की दोनों खदान अभी बंद पड़ी हैं। अमेरा खदान पानी में डूबा है। आरजीके की रेहर और केतकी खदान वैसे भी कम कोयला उत्पादन कर रही हैं।गायत्री खदान और आमगांव खदान में ठेकेदार के द्वारा कोयला उत्पादन किया जाता है।ऐसे में बिश्रामपुर क्षेत्र पहले से ही कोल उत्पादन लक्ष्य को लेकर संघर्ष कर रहा है।

चिनिया मुख्य मार्ग से आवागमन शुरू, लोगों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

जल संसाधन संभाग अंतर्गत नहर निर्माण का कार्य के लिए महावीरगंज चिनिया मुख्य मार्ग को ठेकेदार द्वारा खोद कर धीमी गति से कार्य कराया जा रहा था जिससे लगभग 20 से 25 दिन से आवागमन बाधित था। मार्ग बाधित होने की समस्या को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से समाचार प्रकाशन किया। खबर प्रकाशन के बाद जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एवं अनुविभागीय अधिकारी के तत्परता से तीन दिन के अंदर आगमन को सामान्य कराया गया। जिस क्षेत्र के दर्जनों गांव के हजारों लोगों ने राहत की सांस ली।

- नहर निर्माण के लिए खोद दी थी सड़क

गौरतलब है कि जल संसाधन विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से चिनिया जलाशय एवं नहर निर्माण का कार्य 2 करोड़ 14 लाख रुपए लागत से कराया जा रहा है। यह कार्य अत्यंत मंथर गति से कराया जा रहा है। स्थिति यह है कि जो कार्य 9 महीना में पूर्ण हो जाना चाहिए था वह 36 महीने के बाद भी धीमी गति से ही चल रहा है। ठेकेदार द्वारा लापरवाही पूर्वक बरसात के समय

में नहर निर्माण के लिए महावीरगंज से चिनिया मुख्य मार्ग को खोद दिया गया था जिससे करीब 20 से 25 दिन से आवागमन बाधित हो गया था। यहां तक की पैदल चलना भी इस मार्ग से मुश्किल था। बस सहित बाइक व अन्य वाहन का जाना बंद हो गया था। इस बीच इस संबंध में प्रमुखता से समाचार प्रकाशन के बाद विभाग के कार्य पर अभियंता एवं अनुविभागीय अधिकारी की तत्परता से तीन दिनों के अंदर बाधित आवागमन को सामान्य किया गया।

आईटीआई के छात्रों ने प्रिंसिपल पर लगाया अभद्रता का आरोप, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ प्रतापपुर

आईटीआई के विद्यार्थियों ने प्रिंसिपल पर अभद्रता का आरोप लगाया है। विद्यार्थियों कहना है कि उपस्थिति का हवाला देकर न सिर्फ परीक्षा फार्म भरने से मना कर बैठने से वंचित किया जा रहा है बल्कि उन्हें आईटीआई से धक्का देकर बाहर निकाल दिया गया है। इधर छात्रों परीक्षा में बैठने दिए जाने की मांग की है साथ ही प्रिंसिपल के विरूद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

आदिवासी छात्र-छात्राओं को प्रतापपुर अमनदोन में स्थित शासकीय आईटीआई में कोपा, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर का प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों का आरोप है कि साल भर आईटीआई में खूब मेहनत की और जब परीक्षा फॉर्म भरने का समय आया तो उन्हें फार्म भरने से मना कर दिया। इधर प्रिंसिपल ने रेगुलर प्रशिक्षण लेने क्लास में नहीं आने तथा उपस्थिति भी 80 प्रतिशत से कम होने का हवाला देकर परीक्षा में बैठने के लिए पर्याप्त नहीं होने की बात कही। छात्र-छात्राओं ने आईटीआई परिसर में प्रिंसिपल के सामने घंटों निवेदन किया लेकिन प्रिंसिपल ने नियमों का हवाला देकर परीक्षा विद्यार्थियों की फॉर्म भरने से साफ इनकार कर दिया। जब एक छात्र प्रिंसिपल से साल भर की मेहनत खराब हो जाने की बात कही तो प्रिंसिपल आक्रोशित होकर छात्र को धक्के मार कर आईटीआई परिसर से बाहर निकाल दिया। प्राचार्य के अभद्र से छात्र-छात्राएं काफी दुखी हुए मौजूद छात्राओं ने चुपके से वीडियो बना ली और सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। आईटीआई के छात्र एवं छात्राओं ने शासन प्रशासन से की मांग है कि कुछ घरेलू परेशानी तथा स्वास्थ्य समस्या के कारण नियमित प्रशिक्षण केंद्र में नहीं पहुंच सके लेकिन उनकी उपस्थिती इतनी है कि परीक्षा में बैठ सकते थे। विद्यार्थियों का आरोप है कि प्रिंसिपल ने द्वेष के कारण सभी कोपा के विद्यार्थी देवेंद्र कुमार, आदित्य कुमार,हरकेश सेलेंद्र, सिंह, राजीव, सुरेश, राजू सिंह, मनीषा धुर्वे, साक्षी, दिव्या यादव, रितु नायक, अंजलि सिंह, सुषमा, सुरेखा, सरस्वती, नीलम, आशी यादव, मनीषा चौहान को परीक्षा देने से वंचित किया गया है। विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा फॉर्म भरने की समय 11 तारीख तक सीमित अगर परीक्षा से वंचित किया गया तो आंदोलन एवं चक्का जाम करेंगे।

इस संबंध में एसडीएम ललिता भगत ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। दुर्व्यवहार करने वाले प्राचार्य के विरुद्ध कार्रवाई करने की अनुशंसा की जाएगी।

घुमंतू पशुओं पर लगाया गया रेडियम स्टीकर

राजपुर। एनएच 343 मुख्य मार्ग में नगर पंचायत राजपुर की सड़क में घुमंतू पशुओ में पशुपालन विभाग राजपुर द्वारा बीती शाम सड़क

दुर्घटना से बचने के लिए घूमने वाले पशुओं पर रेडियम रटीकर लगाया गया। राजपुर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएल राम ने बताया एनएच 343 मुख्य मार्ग राजपुर नगर पंचायत से होकर गुजरी है और यहां सड़क पर घुमंतू पशुओं की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। शहर में घुमंतु पशुओं द्वारा सड़क पर सैकड़ों की संख्या डेरा जमाए रहते थे जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। दुर्घटनाओं से बचने हेतु आज सड़क पर घुमंतू पशुओं को पशुपालन विभाग द्वारा गल्ला और सिंग में रेडियम स्टीकर लगाया गया। पशुओं पर रेडियम स्टीकर लगने से दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। बीती शाम सैकड़ों की संख्या में घुमंतू पशुओं पर लगाया गया है। इस दौरान डॉ. पुनीत तुर्की, देवकुमार, रविंद्र भगत सहित अन्य मौजूद रहे।

अंकुरण नहीं होने की शिकायत पर कृषि अधिकारी पहुंचे किसानों के खेत में

लखनपुर। ब्रांडेड कंपनियों के बीज में अंकुरण नहीं होने की शिकायत पर कृषि अधिकारियों की टीम स्थिति का जायजा लेने किसानों के खेत में पहुंची एवं किसानों से बीज कंपनी एवं विक्रेता की जानकारी ली। कृषि अधिकारियों की जांच में शिकायत सही निकली। ग्राम पंचायत लखनपुर, बंधा, गणेशपुर, गेरता आदि के बड़ी संख्या में किसानों ने महंगे दाम में ब्रांडेड कंपनी का धान बीज ब्रांड पान 2423, भीम गोल्ड 333 सहित अन्य किस्मो के बीज का थरहा लगाया था लेकिन बीजों का अंकुरण नहीं होने के कारण अब दोबारा थरहा लगाने की स्थिति निर्मित हो गई है। टीम में शामिल कृषि अधिकारी एम्प्रोस टोप्पो, अनुविभागीय अधिकारी विनायक पांडेय, निरीक्षक हरि सिंह, वरिष्ठ कृषि अधिकारी कमल सिंह पोर्ते ने किसानों के बीड़ा का निरीक्षण किया जिसमें शिकायत सही पाई गई। कई खेतों में मात्र 20 से 30 फीसदी अंकुरित पाए गए। अधिकारियों ने कृषक मंगल राम, जसीम खान, राजू दास, रूदन राजवाड़े, शमीम खान, आनंद राजवाड़े का बयान दर्ज किया तथा पंचनामा बनाया। अधिकारियों ने संबंधित कंपनी के धान बीज की जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। वापसी के दौरान अधिकारियों ने नगर के बीज दुकानों की जांच की तथा दुकानदारों के लाइसेंस, विक्रय किए गए जा रहे धान बीज एवं कंपनियों के संबंध में पूछताछ की।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
रिंग रोड चोपड़ापारा, काली मंदिर के पास उड़िया
पण्डित काम्पलेक्स अम्बिकापुर मो. 9826154736

सर्वे के नाम पर सरगुजावासियों को भटका रहा रेलवे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सर्किट हाऊस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए रेल संघर्ष समिति के मुकेश तिवारी ने कहा कि सरगुजा को बेहतर रेल मार्ग से जोड़ने की मांग 80 सालों से की जा रही हैं। रेलवे सर्वे की खानापूर्ति कर सरगुजा क्षेत्र के विकास की अवहेलना कर रहा है। रेलवे कभी अम्बिकापुर-बरवाडीह रेल लाइन का डबल लाइन तो कभी सिंगल लाइन सर्वे करा रहा है। इसके पूर्व भी रेलवे 2 दर्जन से अधिक सर्वे करा चुका है तथा हर सर्वे में इस परियोजना को अलाभकारी बताया है वर्तमान में रेलवे सरगुजा से संबंधित चार रेल मार्गों का सर्वे करा रहा है तथा किसी एक रेल परियोजना को स्वीकृति देने की बात कही है। ऐसे में अनेक मार्गों के सर्वे का उद्देश्य सरगुजावासियों की समझ से

- रेल सघर्ष समिति के सदस्यों ने की पत्रकार वार्ता

बाहर की बात हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल लाइन सरगुजा के परिवहन जरूरतों के अनुकूल है। इससे क्षेत्र के युवाओं के उच्च शिक्षा, लोगों के उपचार एवं व्यवसाय के नए मार्ग खुलेंगे। इस परियोजना के समर्थन में 26 जुलाई 2024 को विधानसभा में संकल्प पारित किया था। पिछले साल के बजट में परियोजना को स्वीकृति मिलने की उम्मीद थी जो पूरी नहीं हुई। आगामी बजट में इसकी स्वीकृति मिले इसके लिए हर स्तर पर पहल की जा रही है। प्रस्तावित परियोजना से कोयला, बाक्साइट सहित अन्य खनिजों के परिवहन से रेलवे को भी काफी लाभ होगा। अधिवक्ता मनोज तिवारी ने कहा कि झारखण्ड के एक विधायक ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मिलकर अम्बिकापुर-गढ़वा एनएच को फोर लेन बनाने की स्वीकृति ले ली। हमारे जनप्रतिनिध भी केन्द्रीय मंत्री के समक्ष प्रमुखता से इस मांग को रखें एवं इसे आगामी बजट में शामिल कराने की पहल करें। उन्होंने अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल मार्ग से सरगुजावासियों को होने वाले सामाजिक, आर्थिक, व्यवसायिक एवं धार्मिक फायदों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। समिति के प्रभुनारायण वर्मा एवं शिवेश सिंह ने भी प्रस्तावित परियोजना के महत्व के बारे में चर्चा की। इस दौरान समिति के कैलाश मिश्रा, जितेन्द्र सिंह, आलोक तिवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

समिति ने निकाली पदयात्रा, सौंपा ज्ञापन

सरगुजा रेल संघर्ष समिति ने अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल लाइन निर्माण की मांग लेकर महामाया चौक से घड़ी चौक तक पदयात्रा की एवं तहसीलदार को रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल मार्ग की मांग को आगामी बजट में शामिल कर जल्द निर्माण प्रारंभ करने की मांग की गई है। रेल संघर्ष समिति ने महामाया चौक से चैम्बर ऑफ कामर्स, कैट सहित अन्य व्यापारिक संगठनों, अधिवक्ताओं और गणमान्य नागरिकों के साथ अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल निर्माण की माग लेकर पदयात्रा निकाली। इस दौरान शहरवासियों को पम्पलेट के माध्यम से प्रस्तावित रेल लाइन के महत्व से संबंधित तथ्यों से अवगत कराया गया। सदस्यों ने बताया कि अम्बिकापुर-रेणुकूट रेल लाइन का डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट अक्टूबर 2023 में रेलवे बोर्ड को जमा कर दिया गया है प्रस्तावित रेल लाइन को आगामी बजट में शामिल करने के लिए समिति चरणबद्ध कार्यक्रम संचालित कर रही है। इस दौरान लोगों ने समिति की मांग का समर्थन किया।

25 जुलाई, 14 अगस्त, 11 सितंबर, 3 अक्टूबर,
13 नवंबर, 18 दिसंबर, 24 दिसंबर 2025 (12 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
पशुपतिनाथ, माँ मनोकामना देवी, लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), पोखरा(गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप, काठमांडू दरबार), गोरखपुर, बनारस (श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल)
नेपाल विदेश यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।
राशिः-स्लीपर 17500/-, 3 एसी 27,500/-, 2 एसी 30,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411